दिल्ली में जुटेंगे अर्थव्यवस्था के दिग्गज

13 से 15 अक्टूबर तक होगा बड़ा वैश्विक आयोजन

500 से ज्यादा ग्लोबल नेता और निवेशक होंगे शामिल

नई दिल्ली 21 मई . भारत अब केवल दुनिया का बड़ा बाजार नहीं रह गया है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की दिशा तय करने वाले देशों में तेजी से अपनी मजबूत पहचान बना रहा है. इसी बढ़ती ताकत का बड़ा संकेत अक्टूबर 2026 में देखने को मिलेगा, जब राजधानी नई दिल्ली में पहली बार ब्लूमबर्ग न्यू इकॉनमी फोरम का आयोजन किया जाएगा.

इस कार्यक्रम में दुनिया भर से 500 से ज्यादा बड़े उद्योगपति, निवेशक, टेक्नोलॉजी विशेषज्ञ, नीति-निर्माता और कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शामिल होंगे.यह वैश्विक फोरम 13 से 15 अक्टूबर 2026 तक नई दिल्ली में आयोजित होगा. इस बार सम्मेलन का विषय रखा गया है - 'गतिशील विश्व : शक्ति के नए नियंत्रक तंत्रों का पुनर्निर्धारण.' आसान शब्दों में कहें तो इस मंच पर दुनिया की बदलती आर्थिक ताकत, निवेश की नई दिशा, टेक्नोलॉजी का भविष्य, डिजिटल अर्थव्यवस्था और वैश्विक व्यापार को लेकर बड़ी चर्चा होगी.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस सम्मेलन को संबोधित करेंगे. उन्होंने कहा कि भारत आज ऐसे दौर में खड़ा है, जहां वह वैश्विक विकास का मजबूत और भरोसेमंद साझेदार बन सकता है.

> इस फोरम को भारत की बढ़ती वैश्विक अहमियत के रूप में देखा जा रहा है. पिछले कुछ वर्षों में भारत ने डिजिटल भुगतान, स्टार्टअप, विनिर्माण, आधारभूत ढांचे और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में तेज प्रगति की है. भारत का यूपीआई मॉडल आज दुनिया के कई देशों के लिए उदाहरण बन चुका है. इसके साथ ही कई बड़ी वैश्विक कंपनियां अपनी सप्लाई चेन का बड़ा हिस्सा भारत में स्थापित करने की दिशा में काम कर रही हैं. यह आयोजन केवल भाषणों और बैठकों तक सीमित नहीं रहेगा. यहां ऊर्जा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल पेमेंट, क्रिटिकल मिनरल्स, सप्लाई चेन, इंफ्रास्ट्रक्चर और वैश्विक निवेश जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा होगी.

भीषण गर्मी में बिजली मांग रिकॉर्ड स्तर पर

देश में बिजली मांग 265 .44 गीगावाट पहुंची

गर्मी बढ़ने से एसी-कूलर का इस्तेमाल तेज

नई दिल्ली 21 मई . देशभर में पड़ रही भीषण गर्मी और लू के चलते बिजली की मांग लगातार नए रिकॉर्ड बना रही है. केंद्रीय विद्युत मंत्रालय के अनुसार बुधवार को देश की अधिकतम बिजली मांग 265.44 गीगावाट तक पहुंच गई, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है.

यह लगातार तीसरा दिन है जब बिजली खपत ने नया रिकॉर्ड बनाया है. इससे पहले 18 मई को 257.37 गीगावाट और 19 मई को 260.45 गीगावाट की अधिकतम मांग दर्ज की गई थी. बढ़ते तापमान के कारण घरों, दफ्तरों और कारोबारी प्रतिष्ठानों में एसी, कूलर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है.

मंत्रालय के मुताबिक बुधवार दोपहर 3:45 बजे सौर ऊर्जा उत्पादन के दौरान यह रिकॉर्ड मांग दर्ज की गई. वहीं गैर-सौर बिजली की मांग भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची. 18 मई की रात 10:29 बजे गैर-सौर बिजली मांग 247.21 गीगावाट दर्ज की गई, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है. सरकार ने कहा है कि रिकॉर्ड खपत के बावजूद देश में बिजली आपूर्ति पूरी तरह स्थिर बनी हुई है.

बुलेट ट्रेन ब्रिज निर्माण में मिली बड़ी सफलता

भरूच में रेलवे ट्रैक पर लॉन्च हुआ विशाल स्टील ब्रिज

2900 मीट्रिक टन वजन वाले स्पैन का काम पूरा

नई दिल्ली 21 मई . मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है. गुजरात के भरूच जिले के ट्रालसी गांव के पास भारतीय रेलवे ट्रैक के ऊपर 130 मीटर लंबा विशाल स्टील ब्रिज सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया गया है. इस उपलब्धि को देश की हाईस्पीड रेल परियोजना के लिए बेहद अहम माना जा रहा है.

यह स्टील ब्रिज पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के सूरत-वडोदरा सेक्शन में डीएफसीसी ट्रैक को पार कर रहा है. इससे पहले मार्च 2026 में 100 मीटर लंबे दूसरे स्पैन को निर्माण स्थल पर तैयार किया गया था. अब 130 मीटर लंबे हिस्से की लॉन्चिंग के साथ परियोजना का बड़ा चरण पूरा हो गया है.

पूरे पुल की लंबाई 330 मीटर रखी गई है. इसमें 100+130 मीटर का कंटीन्यूअस स्पैन और एक अलग 100 मीटर का स्पैन शामिल है. अब तक कुल 330 मीटर में से 230 मीटर स्टील ब्रिज का निर्माण पूरा हो चुका है. बाकी 100 मीटर हिस्से का निर्माण कार्य भी जल्द पूरा किया जाएगा.

16 मई 2026 को लॉन्च किए गए इस स्टील स्पैन की ऊंचाई करीब 18 मीटर और चौड़ाई लगभग 15.5 मीटर है. इसका वजन करीब 2900 मीट्रिक टन बताया गया है. पूरा पुल तैयार होने के बाद इसका कुल वजन लगभग 6100 मीट्रिक टन होगा.

इन स्टील ब्रिजों को गुजरात के उमरगांव स्थित कार्बन फैक्ट्री में तैयार किया गया है. इन्हें करीब 100 साल की आयु को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है.

> रेल मंत्रालय के अनुसार गुजरात में सूरत से बिलिमोरा के बीच बुलेट ट्रेन सबसे पहले संचालित की जाएगी . इस हिस्से में ट्रैक बिछाने का काम लगभग पूरा हो चुका है और अब ओवरहेड सिस्टम, नॉइज बैरियर और अन्य तकनीकी कार्य तेजी से किए जा रहे हैं . इसी सेक्शन का हाल ही में धानमंत्री नरेंद्र मोदी ने निरीक्षण भी किया था . रेल मंत्री ने कहा है कि अगले साल 15 अगस्त तक बुलेट ट्रेन चलाने का लक्ष्य रखा गया है . इससे पहले गुजरात में बुलेट ट्रेन का ट्रायल रन भी किया जाएगा .

सोना टूटा, चांदी में बड़ी गिरावट

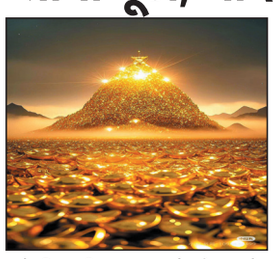

515 रुपए सस्ता हुआ सोना

2291 रुपए नीचे आई चांदी

नई दिल्ली, 21 मई. देश के सर्राफा और वायदा बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज यानी एमसीएक्स पर शुरुआती कारोबार में सोना 515 रुपये तक टूट गया, जबकि चांदी की कीमत में 2,291 रुपये की बड़ी गिरावट देखने को मिली.

एमसीएक्स पर 5 जून डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 1,60,006 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था. बुधवार सुबह यह 1,59,900 रुपये पर खुला और शुरुआती कारोबार में गिरकर 1,59,491 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया. वहीं 3 जुलाई डिलीवरी वाली चांदी पिछले सत्र में 2,74,265 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी. बुधवार को यह 2,72,275 रुपये पर खुली और गिरकर 2,71,974 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई.

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत आगे बढ़ने से पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीद बढ़ी है. इसका असर सुरक्षित निवेश माने जाने वाले सोने और चांदी की कीमतों पर पड़ा है.

प्रधानमंत्री रोजगार मेले में 51,000 नियुक्ति पत्र

अहमदाबाद, 21 मई. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 23 मई, 2026 को सुबह 11.00 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रेलवे सहित विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त 51,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे. इस अवसर पर वे नियुक्त लोगों को संबोधित भी करेंगे.

यह 19 वां रोज़गार मेला देशभर के 47 स्थलों पर आयोजित किया जाएगा. ये नियुक्तियां केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में हो रही हैं. देश भर से चुने गए नए कर्मचारी रेल मंत्रालय, संचार मंत्रालय (डाक विभाग), रक्षा मंत्रालय, वित्तीय मंत्रालय सहित अन्य विभागों और मंत्रालयों के शामिल होंगे.

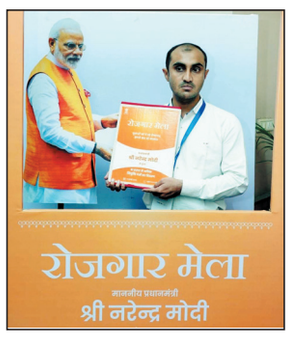

रोज़गार मेला, रोज़गार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक पहल है. रोज़गार मेला युवाओं को सशक्त बनाने और राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. देश भर में रोज़गार मेलों के माध्यम से अब तक 11.50 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र जारी किए जा चुके हैं.

इस अवसर पर पश्चिम रेलवे अहमदाबाद मण्डल में भी रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है. इसके तहत कुल 115 नवीन चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र बांटे जाएंगे जिसमें रेलवे के 66, वित्तीय सेवा विभाग के 39, पोस्ट ऑफिस के 09, रक्षा मंत्रालय का 01 अभ्यर्थी भी शामिल हैं. अहमदाबाद में आयोजित रोजगार मेला कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री युवा मामले और खेल मंत्रालय, श्रीमती रक्षा निखिल खडसे, माननीया राज्यमंत्री शहरी विकास और शहरी आवास, गुजरात श्रीमती दर्शनाबेन वाघेला, माननीय सांसद श्री दिनेशभाई मकवाणा, माननीय सांसद श्री हंसमुखभाई पटेल, माननीय सांसद (राज्यसभा) श्री नरहरि अमीन, माननीय विधायक श्री दिनेशसिंह कुशवाह सहित अन्य अतिथिगण समारोह में उपस्थित रहेंगे.

बाजार में बिकवाली से गिरावट

मुंबई, 21 मई बैंकिंग एवं वित्तीय कंपनियों में दोपहर बाद बिकवाली बढ़ने से गुरुवार को घरेलू शेयर बाजारों में प्रमुख सूचकांक शुरुआती तेजी खोकर अंत में लाल निशान में बंद हुए.

बीएसई का सेंसेक्स कारोबार की समाप्ति पर 135.03 अंक (0.18 प्रतिशत) की गिरावट में 75,183.36 अंक पर रहा. सुबह 627 अंक चढ़ने के बाद दोपहर में यह 323 अंक तक टूट गया था. इस प्रकार इसमें करीब 950 अंकों का उतार-चढ़ाव देखा गया.

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक का ग्राफ भी इसी तरह रहा और यह अंत में 4.30 अंक यानी 0.02 प्रतिशत नीचे 23,654.70 अंक पर बंद हुआ. वृहत बाजार में कुल मिलाकर निवेश धारणा मजबूत रही.

गोदरेज एग्रोवेट ने मक्का किसानों के लिए लॉन्च किए दो नए उत्पाद

नवभारत, जबलपुर। गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड ने मध्य प्रदेश में मक्के की बुआई का सीजन शुरू होने, और मध्य भारत में बढ़ते कीट व खरपतवार की चुनौतियों को देखते हुए 'अशिताका' और 'टकाई' को लॉन्च करने की घोषणा की है।

जापान की आई.एस.के. कंपनी के सहयोग से विकसित किए गए ये दोनों आधुनिक उत्पाद, मध्य प्रदेश के मक्का किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं। मध्य प्रदेश में 15 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि पर मक्के की खेती होती है, जहाँ उत्पादकता लगभग 2.8 मीट्रिक टन प्रति हेक्टेयर है, जो वैश्विक मानकों से काफी कम है। इस कम पैदावार का मुख्य कारण शुरुआती दौर में खरपतवार का होना है, जिससे फसल का उत्पादन 25 से 30 प्रतिशत तक घट जाता है। इसके अलावा, फॉल आर्मीवॉर्म जैसे कीटों के हमले से भी फसल को भारी नुकसान होता है, जिससे निपटने के लिए कंपनी ने इन दोनों उत्पादों को लॉन्च किया है।

अशिताका से फसल को मिलेंगे बेहतर पोषक तत्व-दो नए उत्पादों के लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, गोदरेज एग्रोवेट के सी.ई.ओ. एन. के. राजावेलु ने कहा कि हमारा ध्यान ऐसे रिसर्च आधारित समाधान देने पर है, जो किसानों की जमीनी समस्याओं को दूर कर सकें। फसल चक्र के दौरान खरपतवार और कीटों दोनों पर नियंत्रण पाकर, ये उत्पाद किसानों की उत्पादकता बढ़ाएंगे और फसलों को मजबूत बनाएंगे। अशिताका मक्के के लिए एक चुनिंदा खरपतवार नाशक है, जो घास और चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों को प्रभावी ढंग से रोकता है। जब खरपतवार में 2 से 4 पत्तियां हों, तब 400 मिलीलीटर प्रति एकड़ सरफेक्टेंट के साथ 50 मिलीलीटर प्रति एकड़ की मात्रा में इसका छिड़काव करने से फसल और खरपतवार की होड़ कम हो जाती है, जिससे फसल को मिट्टी की नमी और पोषक तत्व बेहतर तरीके से मिलते हैं। यह 50 मिलीलीटर और 100 मिलीलीटर के पैक में उपलब्ध होगा, जहाँ 2 एकड़ मक्के की जमीन वाले किसानों के लिए 100 मिलीलीटर का पैक खरीदना किफायती रहेगा।

टकाई कीटनाशक से थमेगा फॉल आर्मीवॉर्म का हमला-कीटों की समस्या से निपटने के लिए पेश किया गया टकाई कीटनाशक, जापान की आई.एस.के. द्वारा विकसित आधुनिक साइक्लाप्रिन टेक्नोलॉजी पर आधारित है।

यह टकाई कीटनाशक फॉल आर्मीवॉर्म के खिलाफ बेहद असरदार है, जो मक्के की फसल को भारी नुकसान पहुँचाने के लिए जाना जाता है। फसल की वानस्पतिक अवस्था के दौरान, 160 मिलीलीटर प्रति एकड़ की दर से इसका इस्तेमाल करने पर यह कीटों को तुरंत खाना बंद करा देता है, और लंबे समय तक सुरक्षा देता है।

अडानी पावर खरीदेगी जेपी के बिजली संयंत्र

4,193 करोड़ रुपये की बड़ी सौदेबाजी पूरी

चुरक का 180 मेगावॉट ताप बिजलीघर भी शामिल

नई दिल्ली, 21 मई. अडानी पावर ने जयप्रकाश पावर में 24 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने का फैसला किया है. इसके साथ ही कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स के कुछ ताप बिजली परिसंपत्तियों का भी अधिग्रहण करेगी. इस पूरी डील की कीमत करीब 4,193.59 करोड़ रुपये तय की गई है.

कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि इस खरीद के लिए अंतिम समझौता कर लिया गया है. इसमें शेयर खरीद समझौता और कारोबार हस्तांतरण समझौता दोनों शामिल हैं. डील के तहत अडानी पावर, जयप्रकाश एसोसिएट्स के पास मौजूद जेपीवीएल के 24 प्रतिशत शेयर खरीदेगी.

इस हिस्सेदारी की कीमत 2,993.60 करोड़ रुपये रखी गई है. इसके अलावा कंपनी उत्तर प्रदेश के चुरक स्थित 180 मेगावॉट क्षमता वाले ताप बिजलीघर का अधिग्रहण भी करेगी. इस समझौते में प्रयागराज पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड में जयप्रकाश एसोसिएट्स की 11.49 प्रतिशत हिस्सेदारी भी शामिल है. इन अतिरिक्त परिसंपत्तियों की कीमत करीब 1,200 करोड़ रुपये तय की गई है.

समाचार विशेष

तीसरे विकल्प की राह या सियासत से संन्यास?

मनप्रीत अयाली के इस्तीफे और दोटूक एलान से राजनीति गरमाई

चंडीगढ़. मनप्रीत सिंह अयाली ने शिरोमणि अकाली दल पुनः सुरजीत के सभी पदों से इस्तीफा देने का ऐलान किया है और यह भी कहा है कि वह भविष्य में ना तो भाजपा ना बादल अकाली दल और ना ही आम आदमी पार्टी का हिस्सा बनेंगे. पंथक राजनीति को लेकर यह बड़ी घटना है संबंधित खबर लुधियाना के साथी कर सकते हैं.

अकाल तख्त साहिब के हुक्मनामे के बाद शिरोमणि अकाली दल में फूट पड़ गई थी. मनप्रीत सिंह अयाली द्वारा पार्टी से अलग राह चुनने पर सुखबीर बादल के करीबियों ने उन्हें निशाना बनाना शुरू कर दिया था. बंटी रोमाणा ने अयाली पर भगवंत मान से मिलीभगत का आरोप लगाया जिसके जवाब में अयाली ने रोमाणा पर झूठ बोलने का आरोप लगाया था.

लुधियाना में एक बड़े बिल्डर के रूप में अपने आपको स्थापित करने वाले मनप्रीत सिंह अयाली पर उनके अपने साथ रहे परमबंस सिंह बंटी रोमाणा, जो इन दिनों सुखबीर बादल के करीबी नेताओं से एक हैं, ने पिछले दो दिनों से लगातार अयाली को निशाने पर लिया था. उन्होंने अयाली पर आरोप लगाया था कि वह आप सरकार के मुख्यमंत्री भगवंत मान से मिले हुए हैं इसलिए सरकार ने उनकी जमीन को छोड़कर अन्य जमीनों को लैंड पूलिंग में ले लिया है जिसका जवाब देते हुए अयाली ने एक वीडियो जारी करके कहा था कि जो जमीन छोड़ी गई है, वह उनकी नहीं है बल्कि उनकी तो 150 एकड़ से ज्यादा जमीन लैंड पूलिंग में आई हुई है.

> **रोमाणा पर गुमराह करने का आरोप**
> कई वर्ष पहले ही उन्होंने अपनी जमीन पर कालोनी बनाने के लिए पिछली कांग्रेस सरकार के समय में ही लाइसेंस लिया हुआ है . उन्होंने बंटी रोमाणा पर झूठ बोलने और लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा था कि वह ऐसा इसलिए कर रहे हैं कि पांच सदस्यीय कमेटी, जिसे श्री अकाल तख्त साहिब ने गठित किया है, ने अपनी भर्ती पूरी कर ली है और शीघ्र ही शिरोमणि अकाली दल को नया प्रधान मिल जाएगा .

हरियाणा कांग्रेस का बड़ा दांव

आदमपुर. आदमपुर से कांग्रेस विधायक चंद्र प्रकाश को हरियाणा कांग्रेस संगठन में बड़ी जिम्मेदारी मिली है. अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने उन्हें हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ओबीसी विभाग का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है.

पार्टी महासचिव के. सी. वेणुगोपाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई. पूर्व आईएएस अधिकारी रहे चंद्र प्रकाश वर्तमान में हिसार जिले की आदमपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक हैं. प्रशासनिक सेवा से राजनीति में आने के बाद उन्होंने प्रदेश की राजनीति में तेजी से अपनी पहचान बनाई. उन्हें संगठन और प्रशासन दोनों का अनुभव रखने वाला नेता माना जाता है. कांग्रेस नेतृत्व ने ओबीसी वर्ग में पार्टी की पकड़ मजबूत करने और सामाजिक समीकरण साधने के उद्देश्य से उन्हें यह अहम जिम्मेदारी सौंपी है.

बिश्नोई परिवार के गढ़ में लगाई थी सेंध- हरियाणा की राजनीति में आदमपुर सीट का विशेष महत्व माना जाता है. लंबे समय तक यह क्षेत्र भजनलाल परिवार की राजनीतिक कर्मभूमि रहा है. चंद्र प्रकाश ने यहां से चुनाव जीतकर कांग्रेस को नई मजबूती दी थी. शांत स्वभाव, प्रशासनिक अनुभव और जमीनी संपर्क के कारण वे संगठन में भी सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं.

शह और मात का खेल फिर चरम पर

पटना. बिहार की सियासत में इन दिनों शह और मात का खेल एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है. पूर्व सांसद और बाहुबली नेता आनंद मोहन सिंह द्वारा अपनाए गए कड़े और बागी रुख ने जहां जनता दल यूनाइटेड के भीतर एक बेहद असहज स्थिति पैदा कर दी है, वहीं एनडीए के भीतर खींचतान की संभावना को भी प्रबल कर दिया है.

आनंद मोहन के जेडीयू और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली सरकार पर लगातार किए जा रहे हमलों के बाद बिहार की राजनीति में हलचल है. राजनीतिक गलियारों में इस बात की सबसे अधिक चर्चा है कि आनंद मोहन के इस बागी तेवर की काट खोजने के लिए खुद पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अब मोर्चा संभाल लिया है. नीतीश कुमार अचानक ही जब पटना स्थित जेडीयू के कद्दावर राजपूत नेता और एमएलसी संजय सिंह के आवास पर पहुंच गए तो सियासी चर्चाओं में इसे एक संकेत माना जा रहा है. इसके साथ ही नीतीश कुमार का यह कदम राजनीतिक रूप से आनंद मोहन को एक बहुत बड़ा और कड़ा संदेश माना जा रहा है.

आनंद मोहन बिहार की राजनीति में राजपूत समाज के एक बड़े चेहरे के रूप में जाने जाते हैं, इसलिए जेडीयू उनके हमलों को हल्के में नहीं ले सकती थी. इसकी काट के लिए नीतीश कुमार ने जेडीयू के दूसरे मुखर राजपूत नेता और एमएलसी संजय सिंह को आगे बढ़ाया है. संजय सिंह ने आनंद मोहन पर पलटवार करते हुए उन्हें 'पुत्रमोह में धृतराष्ट्र' तक कह डाला.इसी जुबानी जंग के बीच नीतीश कुमार का अचानक संजय सिंह के घर जाना बिहार की 'राजपूत राजनीति' को नया मोड़ दे गया है. संजय सिंह के आवास पर बंद कमरे में हुई इस मुलाकात के बाद जेडीयू एमएलसी ने कहा कि नेता ने उनकी पीठ थपथपाकर आशीर्वाद दिया है.

विशेष | **अरुण कुमार- शिवानंद तिवारी भी अपनी पार्टी से खफा**

जदयू नेतृत्व पर तीर चला रहे आनंद अकेले नहीं

पटना. बिहार की सियासी राजनीति में इन दिनों पुत्र मोह सिर चढ़ कर बोल रहा है. पहले तो पार्टी जॉइन करते हैं और टिकट लेते हैं. फिर मंत्री पद का इंतजार करते हैं.

अब तक पार्टी, पार्टी के नेतृत्व या उनके नेतृत्व के विरुद्ध कुछ नहीं बोलते. पर जैसे ही मंत्री पद का स्वार्थ पूरा नहीं होता, पार्टी, पार्टी के नेता और नेतृत्व के प्रति आग उगलना शुरू कदर देते हैं. ऐसे आनंद मोहन अकेले नेता नहीं हैं. आइए जानते हैं इन नेताओं के कड़वे बोल को ?

आनंद मोहन ने कहा कि नीतीश कुमार ने जदयू को खड़ा किया और सत्ता तक पहुंचाया, आज उन्हीं को जिंदा दफना दिया गया है. जदयू में पैसे की राजनीति चल रही है और कुछ नेता नीतीश कुमार की स्थिति का फायदा उठा रहे हैं. चेतन आनंद ने सरकार बचाई और सरकार बनाने में भी अहम भूमिका निभाई थी, फिर भी उन्हें मंत्री नहीं बनाया गया. सत्ता चेतन बचाये और शासन कोई और करे, यह कैसे होगा. सरकार शपथ ले रही है और नीतीश कुमार की तस्वीर गायब. जिसके पास 85 विधायकों की ताकत है, उसी की तस्वीर गायब. उप मुख्यमंत्री के पद नाम भी गायब. बिहार में करोड़ों रुपये में टिकट बेचे गए और मंत्री पद दिए गए. आनंद मोहन काफी गुस्से में यह कह गए कि निशांत कुमार को इसलिए स्वास्थ्य मंत्रालय दिया गया क्योंकि, पिता-पुत्र दोनों को डॉक्टर की जरूरत है. उन्होंने जदयू के कुछ नताओं को चंडाल चौकड़ी करार देते हुए कहा कि ये लोग पार्टी के नेतृत्व को कमजोर कर रहे.

अरुण कुमार भी नाराज?- मंत्रिमंडल विस्तार के बाद पूर्व सांसद अरुण कुमार भी नाराज चल रहे हैं. हालांकि उन्होंने विरोध का चेहरा प्रकट नहीं किया, पर राजनीतिक गलियारों में इस बात की चर्चा है कि समता पार्टी से नीतीश कुमार के साथ रहे पूर्व सांसद अरुण कुमार को गांधी मैदान में आयोजित मंत्रिमंडल विस्तार समारोह में आमंत्रण नहीं दिया गया. इस पर अरुण कुमार नाराज चल रहे हैं.

> **90 के हीरो 25 सीटों पर सिमट गए : शिवानंद**
> पूर्व सांसद शिवानंद तिवारी भी अपने पुत्र राहुल तिवारी को सत्ता व संगठन ने महत्ती भूमिका नहीं देने के कारण अक्सर नाराजगी दिखाते रहे हैं . सोशल मीडिया हैंडल पर इन्होंने लिखा कि कितनी जल्दी सब कुछ बिखर गया . 90 के हीरो 2025 में 25 सीट पर सिमट गए . विरोधी दल की मान्यता भी नहीं मिली . विपक्ष के मान्यता प्राप्त नेता हो . लेकिन नतीजे के बाद तुम गायब हो गए ! तुम्हें तो अपने सहयोगियों के साथ बैठना था . पार्टी के निचले स्तर तक के साथियों के साथ बैठना था . उनको ढाढस देनी थी, ताकि हार के बाद भी उनका मनोबल थोड़ा बहुत कायम रहे, लेकिन तुमने तो मैदान ही छोड़ दिया .

नीतीश कुमार राजपूत नेताओं की लामबंदी में लगे !

बहरहाल, विवाद बढ़ता जा रहा है और आनंद मोहन का बागी रुख बरकरार है . दूसरी ओर, भले ही आनंद मोहन ने अभी तक आधिकारिक तौर पर एनडीए या जेडीयू से अलगाव की घोषणा नहीं की है, लेकिन उनकी पत्नी लवली आनंद के जेडीयू सांसद और बेटे चेतन आनंद के जेडीयू विधायक होने के बावजूद यह खुला विद्रोह पार्टी की साख को चुनौती दे रहा है . अब जब नीतीश कुमार स्वयं अन्य राजपूत नेताओं की लामबंदी में जुट चुके हैं तो उनके इस जवाबी सियासी दांव के बाद अब देखना बेहद दिलचस्प होगा कि बिहार की यह राजनीतिक लड़ाई आने वाले दिनों में क्या नया रंग लेती है .